मां लक्ष्मी के परिवार में कौन-कौन हैं?

क्यों इनकी बड़ी बहन से डरते हैं लोग?



हर साल कार्तिक अमावस्या की रात दीपावली का त्योहार मनाया जाता है. इस साल दिवाली 8 नवंबर को मनाई जाएगी. इस दिन भगवान गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा का विधान बताया गया है. मान्यता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी पूजन से धनधान्य में वृद्धि होती है. ऐसे में घर में कभी धन का अकाल नहीं पड़ता है. आपने चित्रों में मां लक्ष्मी को हमेशा अकेले या फिर भगवान विष्णु के साथ ही देखा होगा. लेकिन क्या आप जानते हैं कि देवी लक्ष्मी का भी एक परिवार है, जिसका वर्णन शास्त्रों में किया गया है. आइए जानते हैं कि मां लक्ष्मी के परिवार में कौन-कौन हैं. उनकी बड़ी बहन कौन हैं और लोग उनसे क्यों डरते हैं.

पति-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु से हुआ था. इसलिए उन्हें नारायण की शक्ति और वैकुंठ की देवी माना जाता है. विष्णु जी ने जब अलग-अलग अवतार लिए तब लक्ष्मी ने भी उनके साथ सीता और रुक्मिणी जैसे रूप धारण किए थे. भगवान विष्णु को लक्ष्मी अत्यंत प्रिय हैं. अगर उन्हें प्रसन्न किए बिना विष्णु की कृपा नहीं पाई जा सकती है.

बड़ी बहन-मां लक्ष्मी की बड़ी बहन को अलक्ष्मी या ज्येष्ठा कहा जाता है. ज्येष्ठा का अर्थ बड़ी बहन होता है. धार्मिक मान्यताओं में अलक्ष्मी को दरिद्रता, दुर्भाग्य और कलह से जोड़ा गया है. उन्हें मां लक्ष्मी के विपरीत स्वरूप के रूप में देखा जाता है. कहते हैं कि जहां अलक्ष्मी वास कर लेती है, वहां कभी लक्ष्मी का वास नहीं हो सकता. जिन जगहों पर जुआ, शराब, महिलाओं का अपमान दुर्व्यवहार होता है, अलक्ष्मी उसी घर में प्रवेश करती है.

माता-पिता-कुछ धार्मिक मान्यता के अनुसार, महर्षि भृगु और उनकी पत्नी ख्याति मां लक्ष्मी के माता-पिता हैं. महर्षि भृगु ब्रह्माजी के मानस पुत्र और सप्तर्षियों में से एक माने जाते हैं. उन्हें भृगु संहिता का रचनाकार भी माना जाता है. हालांकि समुद्र मंथन से जुड़ी कथा में देवी लक्ष्मी के क्षीरसागर से प्रकट होने का वर्णन मिलता है. मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान

भाई-समुद्र मंथन की कथा के अनुसार, लक्ष्मी और चंद्रमा दोनों समुद्र मंथन से ही निकले थे. इसलिए कुछ परंपराओं में चंद्र देव को लक्ष्मीजी का भाई माना जाता है. कई ग्रंथों में दक्षिणावर्ती शंख को भी मां लक्ष्मी का भाई बताया गया है.

संतान-शास्त्रों में कामदेव को मां लक्ष्मी का पुत्र बताया गया है. जबकि कुछ पौराणिक ग्रंथों में उनके 18 पुत्रों का वर्णन भी मिलता है. इनके नाम हैं- देवसखा, चिक्लीत, आनंद, कर्दम, श्रीप्रद, जातवेद, अनुराग, संवाद, विजय, वल्लभ, मद, हर्ष, बल, तेज, दमक, सलिल, गुग्गुल, कुरुण्टक. हालांकि, संतान को लेकर सभी परंपराओं में एक जैसी मान्यता नहीं है.

मां लक्ष्मी की बड़ी बहन से क्यों डरते हैं लोग?

मां लक्ष्मी की बड़ी बहन अलक्ष्मी को ज्येष्ठा नाम से भी जाना जाता है. इनका संबंध दरिद्रता, भूख, अशांति और कलह से बताया गया है. इसके विपरीत मां लक्ष्मी को धन, वैभव और खुशहाली की देवी माना जाता है. इसी वजह से लोग अलक्ष्मी के नाम से डरते हैं. मान्यता है कि अलक्ष्मी का वास उन जगहों पर होता है, जहां गंदगी, झगड़ा, ईर्ष्या और स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार होता है. जिस घर में अलक्ष्मी का प्रवेश हो गया, वहां लोग धन और सुख-समृद्धि के लिए तरस जाते हैं.

कुबेर के ये 2 संकेत समझने वाले धरती पर सबसे अमीर!



6 नवंबर को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा. इस दिन धन के देवता कुबेर महाराज की पूजा का विधान बताया गया है. शास्त्रों में कुबेर को देवताओं के खजाने का संरक्षक माना गया है. क्या आपने कभी सोचा है कि भगवान कुबेर का छोटा कद और बड़ा पेट क्यों है और इनकी इस आकृति के पीछे कौन से रहस्य छिपे हैं. ज्योतिषविद कहते हैं कि कुबेर के प्रतीकों में धन की व्यवस्था का पूरा गणित छिपा है. बहुत सारे बड़े व्यापारी और कारोबारी इसे अच्छी समझते हैं और तभी उनके पास कभी धन का अकाल नहीं रहता है.

कुबेर के बड़े पेट का रहस्य

ज्योतिषविद कहते हैं कि कुबेर का बड़े पेट धन के संचय यानी पैसों को जोड़कर रखने का प्रतीक है. जो लोग यह बात अच्छी तरह समझते हैं, वो सिर्फ पैसा कमाते नहीं, बल्कि उसे जोड़कर रखने में माहिर भी होते हैं. बड़े से बड़े संकट में भी इनकी तिजोरी या जेब खाली नहीं होती है. ऐसे लोग हमेशा अपने लिए सर्वावाइल मनी का इंतजाम रखते हैं. फिर पैसा पैसे को खींचता है. यानी समय के साथ एकत्रित किया गया वही पैसा कम्पाउंडिंग से और ज्यादा धन-संपत्ति बनाता है. कुबेर के इस प्रतीकात्मक रहस्य को समझें और इस धनतेरस पर धन के संचय का संकल्प जरूर लें.

क्या कहता है कुबेर का छोटा कद?

भगवान कुबेर का छोटा कद और साधारण स्वरूप भी अपने अंदर बहुत बड़ा रहस्य छिपाकर बैठा है. कुबेर का यह प्रतीक बताता है कि असली अमीर आदमी संपत्ति दिखाने से ज्यादा संपत्ति बनाने पर ध्यान देता है. ऐसे लोग दिखने में भले ही साधारण से हों, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर वह अपने आस-पास मौजूद कई लोगों से ज्यादा ताकतवर होते हैं. आपने भी ऐसे कई लोगों को देखा होगा जिनकी साधारण कद-काठी से उनकी मजबूत आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है.

क्यों मनाया जाता है धनतेरस?

धनतेरस का पर्व हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है. धनतेरस पर पूजा-पाठ और उपाय करने से धन संबंधी बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि का आगमन होता है. मान्यता है कि इसी दिन समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर भगवान धन्वंतरि प्रकट हुए थे. भगवान धन्वंतरि को देवताओं का वैद्य माना जाता है. इसलिए इस दिन अच्छे स्वास्थ्य और आरोग्य की कामना से उनकी पूजा की जाती है. धनतेरस को भगवान कुबेर की उपासना का दिन भी माना गया है. इस दिन धन, समृद्धि और संपन्नता के लिए कुबेर देव की पूजा होती है. इस पर्व पर सोने-चांदी के आभूषण और नए बर्तन खरीदने की परंपरा है.

नाश्ते में बनाएं लौकी से क्रिस्पी गलौटी कबाब, जानें तरीका



अगर घर में लौकी की सब्जी खाकर बच्चे और बड़े मुंह बनाने लगते हैं, जबकि लौकी खाना सेहत के लिए भी अच्छा होता है. लौकी की सब्जी और पकौड़े तो अक्सर घरों में बनाई जाते हैं. मगर एक बार कद्दू के गलौटी कबाब बनाकर देखिए, उसे खाने के बाद भी कोई नहीं बता पाएगा कि वो लौकी से बने हैं. लौकी के गलौटी कबाब इतने टेस्टी बनते हैं कि उनका स्वाद हर किसी का दिल जीत लेता है. ये कबाब इतने नरम और मुलायम बनते हैं कि खाते ही मुंह में घुल जाते हैं. खास बात यह है कि इस रेसिपी में लौकी के साथ सोया चंक्स और चने की दाल का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे कबाब का स्वाद बढ़ने के साथ इनमें प्रोटीन भी मिलता है. शाम की चाय हो या घर पर मेहमानों के आने का मौका, ये कबाब स्नैक्स के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं. आइए लौकी के गलौटी कबाब बनाने की आसान रेसिपी जानते हैं.

लौकी गलौटी कबाब बनाने के लिए सामग्री

आधी मिडियम शेप की लौकी (कटी हुई)
1 कटोरी सोया चंक्स (भिगोकर पानी निचोड़ लें)
1 कटोरी चने की दाल (भिगोई हुई)
2 हरी मिर्च
3-4 लहसुन की कलियां
1 तेजपत्ता
2 सूखी लाल मिर्च
2-3 लौंग
4-5 काली मिर्च
1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर
थोड़ा बारीक कटा हरा धनिया
स्वादानुसार नमक
1 गिलास पानी
सेंकने के लिए घी या तेल

कैसे बनाएं लौकी गलौटी कबाब?

सामग्री को उबालें

सबसे पहले लौकी को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें. अब प्रेशर कुकर में लौकी, भीगी हुई चने की दाल और सोया चंक्स डालें. इसमें हरी मिर्च, लहसुन, तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च, लौंग, काली मिर्च और स्वादानुसार नमक मिलाएं. अब एक गिलास पानी डालकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें. मध्यम आंच पर 3 सीटी आने तक पकाएं. इसके बाद कुकर का प्रेशर अपने आप निकलने दें.

तैयार करें पेस्ट

कुकर खोलकर मिश्रण में से तेजपत्ता निकाल दें. इसे थोड़ा ठंडा होने दें. अब सारी उबली हुई सामग्री को मिक्सर में डालकर बिना अतिरिक्त पानी मिलाए गाढ़ा और चिकना पेस्ट तैयार कर लें.

मिलाएं मसाले

तैयार पेस्ट को एक बड़े बर्तन में निकाल लें. इसमें लाल मिर्च पाउडर, भुना जीरा पाउडर और बारीक कटा हरा धनिया डालें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें, ताकि मसाले पूरे मिश्रण में बराबर फैल जाएं.

कबाब का आकार दें

अब हाथों पर थोड़ा घी या तेल लगाएं. मिश्रण का थोड़ा हिस्सा लेकर गोल लोई बनाएं और हथेलियों से दबाकर टिक्की जैसा चपटा आकार दें. इसी तरह सारे मिश्रण से कबाब तैयार कर लें.

सुनहरा होने तक सेंकें

एक नॉनस्टिक तवा या पैन गर्म करें और उसमें थोड़ा घी या तेल डालें. अब तैयार कबाब तवे पर रखें. इन्हें धीमी से मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंकें. ध्यान रखें कि कबाब पलटते समय टूटें नहीं, इसलिए उन्हें अच्छी तरह सिकने के बाद ही पलटें.

खास टिप-अगर कबाब का मिश्रण ज्यादा गीला लगे, तो उसे कुछ देर खुला रखकर अतिरिक्त नमी कम होने दें. इससे कबाब को आकार देना और तवे पर सेंकना आसान होगा.

8 या 9 नवंबर दिवाली कब है? जानें तारीख और मुहूर्त



हर साल कार्तिक अमावस्या पर दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की संयुक्त पूजा करने का विधान बताया गया है. इस दिन घरों को दीपों और रोशनी से सजाया जाता है. शाम के समय परिवार के लोग एक साथ बैठकर लक्ष्मी-गणेश और कुबेर देव की आराधना करते हैं. धार्मिक मान्यता है कि दिवाली पर मां लक्ष्मी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है. धन-धान्य में वृद्धि होती है और आर्थिक परेशानियों से राहत मिलती है. आइए जानते हैं कि इस साल दिवाली का त्योहार किस दिन-तारीख पड़ रहा है.

दिवाली 2026 तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के मुताबिक, कार्तिक अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट से लेकर 9 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 31 मिनट तक रहने वाली है. ऐसे में दिवाली का त्योहार 8 नवंबर दिन रविवार को मनाया जाएगा. लक्ष्मी पूजन की बात करें तो शाम 5.54 बजे से लेकर रात 7.50 बजे तक पूजा का शुभ मुहूर्त रहने वाला है.

दिवाली पूजा की सामग्री

दीपावली की पूजा शुरू करने से पहले सभी जरूरी सामान एक जगह जुटा लें. इसमें पूजा के लिए मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्तियां, चौकी और लाल कपड़ा रखें. इसके साथ रोली, कुमकुम, चंदन, अक्षत, पान, सुपारी, पंचामृत, नारियल और गंगाजल भी तैयार रखें. पूजा में कलश, आम के पत्ते, मौली और जनेऊ की भी जरूरत होती है. इसके अलावा फूल, फल, दूर्वा, धूप, कपूर, दीपक और रुई की बत्तियां रख लें. मां लक्ष्मी को अर्पित करने के लिए खील, बताशे और मिठाई भी पूजा की सामग्री में शामिल करें.

दिवाली पर कैसे करें लक्ष्मी-गणेश की पूजा?

दिवाली की पूजा से पहले घर और पूजा स्थल की अच्छी तरह सफाई कर लें. इसके बाद दीपक और रंग-बिरंगी लाइटों से घर को सजाएं. फिर विधिवत लक्ष्मी और गणेश की विधिवत पूजा करें.

1. पूजा के लिए एक चौकी तैयार करें और उस पर साफ कपड़ा बिछाएं.
2. चौकी पर मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर देव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें.
3. भगवान के सामने घी या तेल का दीपक जलाएं. इसके बाद भगवान गणेश का ध्यान करके पूजा शुरू करें.
4. पूजा में रोली, अक्षत, फूल, फल, धूप, दीप और मिठाई अर्पित करें.
5. इसके बाद भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें. इस दौरान मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं.
6. आखिर में सभी देवी-देवताओं की आरती करें.
7. पूजा पूरी होने पर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आर्थिक उन्नति की कामना करें.

धनतेरस पर राशि के अनुसार करें खरीदारी

धनतेरस का त्योहार धन, सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। इस दिन सोना, चांदी, बर्तन और झाड़ू जैसी चीजें खरीदने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धनतेरस पर खरीदारी करने से घर में बरकत आती है और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। आपकी राशि के अनुसार कौन-सी चीज खरीदना शुभ रहेगा।



मेष -मेष राशि का स्वामी मंगल ग्रह है। मंगल को साहस, ऊर्जा और पराक्रम का कारक माना जाता है। ऐसे में इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर लाल रंग की वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा आप तांबे के बर्तन, सोना या अन्न की खरीदारी भी कर सकते हैं। मान्यता है कि इससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

वृषभ -वृषभ राशि के स्वामी शुक्र देव हैं। शुक्र को सुख-सुविधा, सौंदर्य और वैभव का कारक माना जाता है। इसलिए इस राशि के लोगों के लिए धनतेरस पर चांदी का सिक्का, आभूषण या सफेद रंग की वस्तुएं खरीदना अच्छा माना जाता है। आप सौंदर्य से जुड़ी चीजों की खरीदारी भी कर सकते हैं।

मिथुन -मिथुन राशि का स्वामी बुध ग्रह है। बुध को बुद्धि, शिक्षा और व्यापार का कारक माना जाता है। इस राशि के जातक धनतेरस पर पीतल का दीपक, किताबें, कलम या पढ़ाई से जुड़ी चीजें खरीद सकते हैं। इसके अलावा व्यापार में इस्तेमाल होने वाला कोई नया सामान खरीदना भी शुभ माना जाता है।

कर्क -कर्क राशि के स्वामी चंद्र देव हैं। चंद्रमा का संबंध मन, शांति और भावनाओं से माना जाता है। इस राशि के जातकों के लिए चांदी का सिक्का, मोती, सफेद रंग की वस्तुएं या स्टील के बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है।

सिंह -सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं। सूर्य को मान-सम्मान, आत्मविश्वास और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इस राशि के लोगों को धनतेरस पर सोना, तांबे के बर्तन, तांबे का कलश या पीले रंग की वस्तुएं खरीदनी चाहिए। ऐसी खरीदारी को शुभ माना जाता है।

कन्या -कन्या राशि का स्वामी बुध ग्रह है। इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर पीतल के बर्तन खरीदना अच्छा माना जाता है। इसके अलावा नई झाड़ू खरीदना भी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि झाड़ू को मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है और इसे घर में बरकत का प्रतीक माना जाता है।

तुला -तुला राशि का स्वामी शुक्र ग्रह है। शुक्र सुख-सुविधाओं और ऐश्वर्य से जुड़ा ग्रह है। इसलिए इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर चांदी का सिक्का, हीरे के आभूषण या मां लक्ष्मी-गणेश जी की मूर्ति खरीदना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि आने की मान्यता है।

वृश्चिक -वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल ग्रह है। इस राशि के लोगों के लिए धनतेरस पर तांबे के बर्तन खरीदना अच्छा माना जाता है। इसके अलावा पूजा-पाठ का सामान और कुबेर यंत्र खरीदना भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सकारात्मकता और धन-धान्य बना रहता है।

धनु -धनु राशि के स्वामी बृहस्पति देव हैं। गुरु को ज्ञान, धर्म और सौभाग्य का कारक माना जाता है। इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर पीतल के बर्तन, पूजा के दीपक या सोने के सिक्के खरीदना शुभ माना जाता है। आप घर के मंदिर के लिए भी नई वस्तुएं खरीद सकते हैं।

मकर -मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं। इस राशि के लोगों के लिए धनतेरस पर नई झाड़ू खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा स्टील के बर्तन या रोजमर्रा के इस्तेमाल की उपयोगी वस्तुएं खरीदना भी अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है।

दिवाली से पहले बाजार में आयी महंगी मिठाई



दिवाली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में मिठाइयों की रौनक बढ़ने लगती है। लोग अपने परिवार और दोस्तों के लिए तरह-तरह की मिठाइयां खरीदते हैं लेकिन इस बार राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक ऐसी मिठाई चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसकी कीमत सुनकर अच्छे-अच्छे लोगों के होश उड़ सकते हैं। यहां दिवाली के मौके पर एक खास मिठाई तैयार की गई है, जिसकी कीमत करीब 1.23 लाख रुपये प्रति किलो बताई जा रही है. इस मिठाई की खासियत सिर्फ इसका स्वाद नहीं, बल्कि इसमें इस्तेमाल की गई सोने जैसी महंगी सामग्री भी है. जयपुर में 'त्योहार अशर्फी' नाम से एक खास मिठाई तैयार की गई है। इसे देखने में सोने के सिक्के जैसा लुक दिया गया है. इसकी कीमत भी आम मिठाइयों से बिल्कुल अलग है। बताया जा रहा है कि इस मिठाई का महज 9 ग्राम का एक पीस 1,111 रुपये में मिल रहा है। वहीं, इसके 9 पीस वाले डिब्बे की कीमत 9,999 रुपये रखी गई है। इस हिसाब से एक किलो मिठाई खरीदने के लिए ग्राहक को लगभग 1.23 लाख रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं। इस खास मिठाई को बनाने में कई महंगी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है।

कुछ कहानियां हम सभी से बड़ी होती हैं और रामायण उन्हीं में से एक है-आलिया



रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। आम लोगों के साथ-साथ कई बॉलीवुड और टीवी सितारों ने भी इस पर अपना रिएक्शन दिया। अब रणबीर कपूर की वाइफ और अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी एक पोस्ट करते हुए अपने दिल की बात कही है। सिर्फ इतना ही नहीं, आलिया ने पोस्ट में रणबीर कपूर के साथ सेट पर मौजूद राहा की भी कुछ तस्वीरें शेयर की है। बता दें कि रामायण के साथ ही छोटी सी राहा ने भी बॉलीवुड में कदम रख दिया है। जी हां, इस फिल्म में उनका भी कैमियो है। आइए अब जानते हैं कि आलिया ने अपने पोस्ट में क्या कहा। आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर रणबीर कपूर और राहा की दो तस्वीरें शेयर की। यह दोनों फोटो रामायण फिल्म की शूटिंग के दौरान की है। इसे शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, तुमने इस फिल्म में अपना सब कुछ लगा दिया और फिर भी उसके लिए तुम्हारे अंदर सब कुछ बचा रहा। रणबीर, मुझे तुम पर और उन सभी लोगों पर बहुत गर्व है, जिन्होंने इस शानदार फिल्म को बनाने में अपना दिल और पूरी मेहनत लगा दी। कुछ कहानियां हम सभी से बड़ी होती हैं और रामायण उन्हीं में से एक है। बता दें कि नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी माता सीता के किरदार में हैं, जबकि यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा ने किया है। रणबीर कपूर की इस मच अवेटेड फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुका है। फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया गया है और इसके म्यूजिक की जिम्मेदारी एआर रहमान और हॉलीवुड के मशहूर कंपोजर हंस जिमर ने संभाली है।